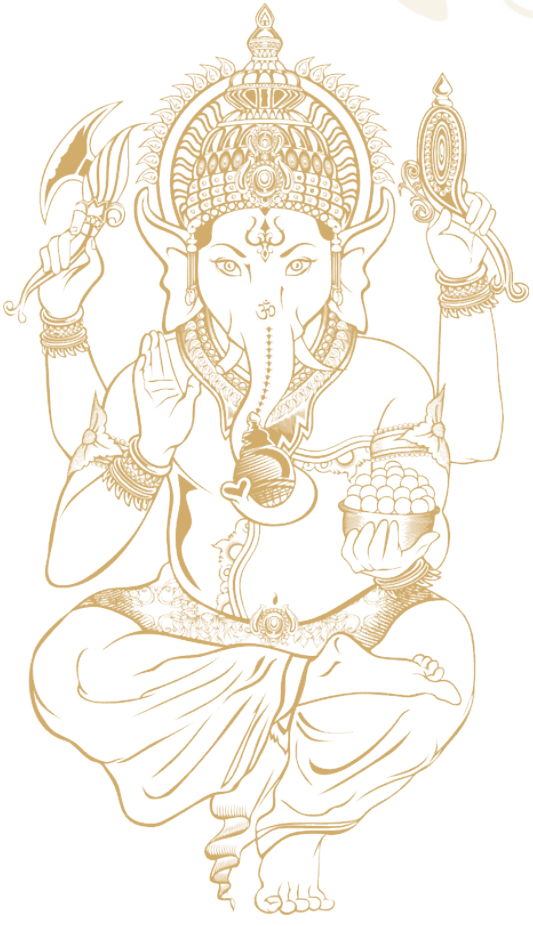

Brahmanand Ji KALU

08 Feb 1987

01:00 AM

Lunkaransar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121682904

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**7-08/02/1987**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**01:00:00 घंटे**
इष्ट	44:10:46 घटी
स्थान	**Lunkaransar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:32:00 उत्तर
रेखांश	73:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:25:20 घंटे
वेलान्तर	-00:14:10 घंटे
साम्पातिक काल	09:34:52 घंटे
सूर्योदय	07:19:41 घंटे
सूर्यास्त	18:18:12 घंटे
दिनमान	10:58:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	24:48:51 मकर
लग्न के अंश	23:02:18 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ऐन्द्र
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीरसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

+91 9351141151
pt.jmjoshi@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	23:02:18	307:44:19	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
सूर्य			मक	24:48:51	01:00:46	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	18:19:53	11:53:44	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
मंगल			मीन	27:27:40	00:41:41	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	मित्र राशि
बुध			कुंभ	12:00:14	01:25:27	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
गुरु			मीन	01:04:38	00:13:06	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	स्वराशि
शुक्र			धनु	09:19:17	01:07:13	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
शनि			वृश्चि	25:22:27	00:04:41	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	19:35:46	00:04:23	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	19:35:46	00:04:23	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	01:53:24	00:02:32	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
नेप			धनु	13:20:07	00:01:49	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	16:17:41	00:00:08	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	27:39:28	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:34

लग्न-चलित

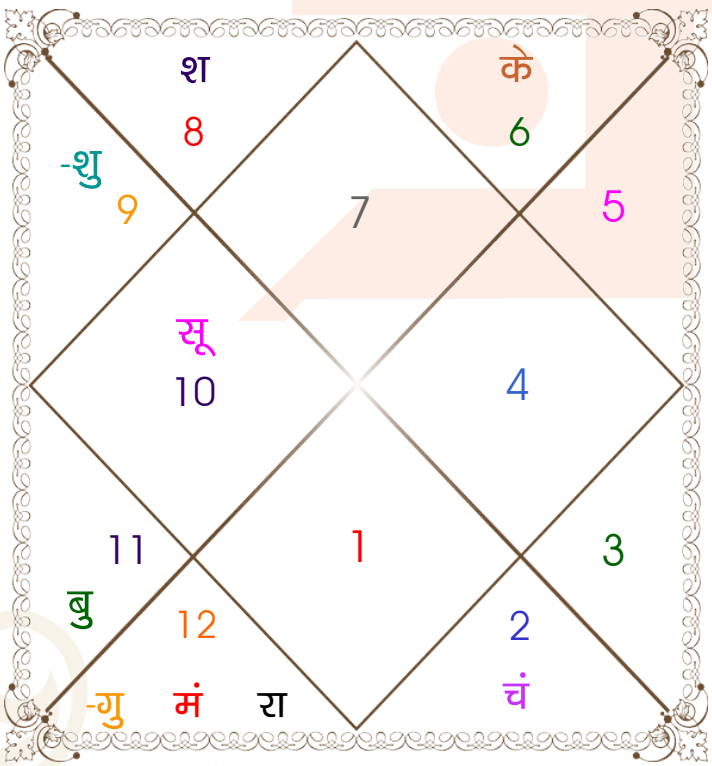

चन्द्र कुंडली

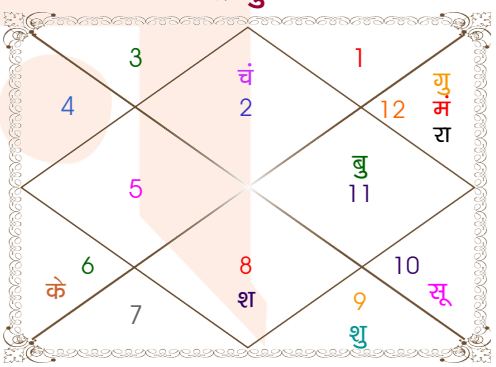

नवमांश कुंडली

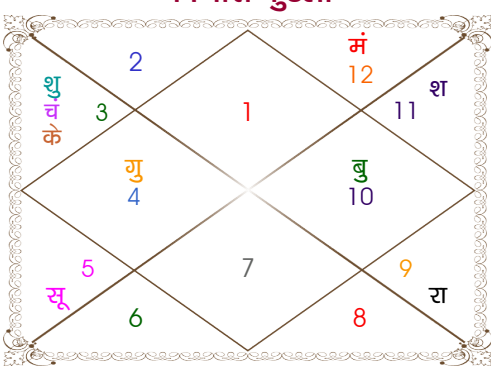

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 3 वर्ष 9 मास 0 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
08/02/1987		09/11/1990		09/11/1997		09/11/2015		09/11/2031	
09/11/1990		09/11/1997		09/11/2015		09/11/2031		09/11/2050	
	00/00/0000	मंगल	07/04/1991	राहु	22/07/2000	गुरु	27/12/2017	शनि	12/11/2034
	00/00/0000	राहु	24/04/1992	गुरु	15/12/2002	शनि	10/07/2020	बुध	22/07/2037
	00/00/0000	गुरु	31/03/1993	शनि	21/10/2005	बुध	15/10/2022	केतु	31/08/2038
	00/00/0000	शनि	10/05/1994	बुध	10/05/2008	केतु	21/09/2023	शुक्र	30/10/2041
	08/02/1987	बुध	07/05/1995	केतु	28/05/2009	शुक्र	22/05/2026	सूर्य	12/10/2042
बुध	08/02/1988	केतु	04/10/1995	शुक्र	28/05/2012	सूर्य	11/03/2027	चंद्र	13/05/2044
केतु	08/09/1988	शुक्र	03/12/1996	सूर्य	22/04/2013	चंद्र	10/07/2028	मंगल	22/06/2045
शुक्र	10/05/1990	सूर्य	09/04/1997	चंद्र	22/10/2014	मंगल	15/06/2029	राहु	27/04/2048
सूर्य	09/11/1990	चंद्र	09/11/1997	मंगल	09/11/2015	राहु	09/11/2031	गुरु	09/11/2050

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
09/11/2050		09/11/2067		09/11/2074		09/11/2094		09/11/2100	
09/11/2067		09/11/2074		09/11/2094		09/11/2100		00/00/0000	
बुध	06/04/2053	केतु	06/04/2068	शुक्र	10/03/2078	सूर्य	26/02/2095	चंद्र	10/09/2101
केतु	04/04/2054	शुक्र	06/06/2069	सूर्य	11/03/2079	चंद्र	28/08/2095	मंगल	11/04/2102
शुक्र	02/02/2057	सूर्य	12/10/2069	चंद्र	08/11/2080	मंगल	03/01/2096	राहु	11/10/2103
सूर्य	09/12/2057	चंद्र	13/05/2070	मंगल	08/01/2082	राहु	27/11/2096	गुरु	09/02/2105
चंद्र	10/05/2059	मंगल	09/10/2070	राहु	08/01/2085	गुरु	15/09/2097	शनि	10/09/2106
मंगल	07/05/2060	राहु	28/10/2071	गुरु	09/09/2087	शनि	28/08/2098	बुध	09/02/2107
राहु	24/11/2062	गुरु	03/10/2072	शनि	09/11/2090	बुध	04/07/2099		00/00/0000
गुरु	01/03/2065	शनि	12/11/2073	बुध	09/09/2093	केतु	09/11/2099		00/00/0000
शनि	09/11/2067	बुध	09/11/2074	केतु	09/11/2094	शुक्र	09/11/2100		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 3 वर्ष 9 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

+91 9351141151
pt.jmjoshi@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति के प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगे। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन की सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगे। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगे।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगे। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय व्यक्ति हैं। आप अपने जीवन संगिनी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सके तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगे। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपकी पत्नी आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेगी तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगे।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाले प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगे। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहते हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

+91 9351141151
pt.jmjoshi@gmail.com

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।

+91 9351141151
pt.jmjoshi@gmail.com